



निबंधन संख्या पी०टी०-४०

बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 33 पटना, बुधवार, 25 श्रावण 1939 (श०)
16 अगस्त 2017 (ई०)

विषय-सूची		पृष्ठ
	पृष्ठ	
भाग-1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।	2-2	भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	---	भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है।
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई०ए०, आई०एससी०, बी०ए०, बी०एससी०, एम०ए०, एम०एससी०, लॉ भाग-1 और 2, एम०बी०बी०एस०, बी०एस०ई०, डी०ए०-इन-एड०, एम०एस० और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	---	भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	---	भाग-9—विज्ञापन
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	3-3	भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	---	भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।
भाग-4—बिहार अधिनियम	---	पूरक
		पूरक-क
		4-5
		6-7

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएं

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना

8 अगस्त 2017

सं० ई२-०२-३४/२०१४-३७—बिहार सेवा संहिता के नियम २२७, २३० एवं २४८ में निहित प्रावधानों के अन्तर्गत श्री नवल किशोर शर्मा, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सहायक सचिव, निर्वाचन विभाग, बिहार, पटना को अमरनाथ यात्रा के निमित्त दिनांक ११.०७.२०१७ से २७.०७.२०१७ तक कुल १७ (सत्रह) दिनों के उपार्जित अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सोहन कुमार ठाकुर, अपर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, २२—५७१+१०-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-2

बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।

Home Department
(Police Branch)

NOTIFICATION

The 15th August, 2017

No. 7/CCA-1026/2001 H(P)6504—Consequent upon Superannuation of Hon'ble Mr. Justice Samarendra Pratap Singh, Patna High Court, who was Chairman of the Advisory Board, it is expedient to re-constitute the Advisory Board for the under mentioned Acts :

1. Bihar Control of Crimes Act, 1981
2. National Security Act, 1980
3. Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 and
4. Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under the provision of the above Acts,
the State Government is pleased to reconstitute the Advisory Board for above mentioned Acts as follows :

Hon'ble Mr. Justice Sri Ajay Kumar Tripathi	Chairman
Hon'ble Mr. Justice Sri Aditya Narayan Chaturvedi (Retd.)	Member
Hon'ble Justice Smt. Rekha Kumari (Retd.)	Member

The reconstitution will come into effect with the issue of the notification

By order of the Governor of Bihar.

Ranjan Kumar Sinha,

Add. Secretary to Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 22—571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-9(ख)

निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय, सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।

सूचना

सं० 961—मैं, **अभिषेक**, पिता नागेन्द्र सिंह, ग्राम— नारन, पो०—पचपोखरी, थाना—बघैला, जिला—रोहतास, शपथ पत्र संख्या 2224 दिनांक 29.06.17 से अभिषेक रंजन के नाम से जाना जाऊँगा।

अभिषेक।

No 961—I, **ABHISHEK** S/o. Nagendra Singh R.o. Vill Narain Po Pachpokhri P.s Baghaila, Dist. Rohtas Bihar Vide Affidavit no. 2224 Dated 29.06.2017 shall be known as **Abhishek Ranjan**.

ABHISHEK.

No 962—I, **SANJEEV KUMAR**, R/o Moh-Bidhan Parishad Colony Jayprakash Nagar PS Agamkuan, Patna-26 declare as Follows My younger son Sameer Kumar is known as **Sameer Singh** for all Future Purposes. vide Affidavit no 9918, Dated 23.05.17.

SANJEEV KUMAR.

No 963— I , **SANJEEV KUMAR**, R/o Moh-Bidhan Parishad Colony Jayprakash Nagar, PS Agamkuan, Patna-26 declare as Follows My Elder son Satyam Kumar is known as **Satyam Kumar Singh** for all Future Purposes. vide Affidavit no 9917, Dated 23.05.17.

SANJEEV KUMAR.

सं० 964—मैं, **अरिन्दम**, पिता श्री शरद कुमार सिन्हा निवासी सेक्टर ई—136 पीपुल्स को—ऑपरेटिव कॉलोनी कंकड़बाग, पटना 800020 शपथ पत्र संख्या 3124 दिनांक 13.07.2017 से घोषणा करता हूँ कि मैं अब **अरिन्दम सिन्हा** के नाम से जाना जाऊँगा।

अरिन्दम।

No 964—I, **ARINDAM**, S/O Sharad Kumar Sinha R/O Sector E-136 People's Co-operative colony, Kankarbagh Colony, District- Patna-800020 declare vide Affidavit no 3124 Dated 13.07.2017 that now onwards I shall be known as **Arindam Sinha** for all purposes.

ARINDAM.

सं० 965—मैं, **अभिषेक चंचल**, पिता—श्री अनिल कुमार, निवासी—“कुसुम गौरव कुंज”, कॉलेजिएट लेन, नाला रोड, पटना-800004, बिहार। मैंने अपना नाम कार्यापालक दण्डाधिकारी, पटना, बिहार के समक्ष उपस्थित होकर **अभिषेक चंचल** से बदलकर शपथ पत्र के माध्यम से **अभिषेक किशोर गुप्ता** रखा हूँ जिसके समर्थन में शपथ पत्र सं० 11448, दिनांक 27.06.2017 हैं।

अभिषेक चंचल ।

No 965—I, **ABHISHEK CHANCHAL**, S/O- ANIL KUMAR, R/O- “Kusum Gaurav Kunj”, Collegiate Lane, Nala Road, Patna -800004, Bihar Has Changed My Name From **ABHISHEK CHANCHAL** To **ABHISHEK KISHOR GUPTA** Sworn Before Executive Magistrate Patna Vide Affidavit No. 11448, Dated. 27-06-2017 Will Be Known as **ABHISHEK KISHOR GUPTA** For All Future Purposes.

ABHISHEK CHANCHAL.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 22—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

बिहार गजट

का

पूरक(अ0)

प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

सं० कारा/नि०को०(अधी०)—०१—१५/२०१४—४१९८

कारा एवं सुधार सेवाएँ निरीक्षणालय
गृह विभाग (कारा)

संकल्प

१ अगस्त २०१७

श्री भोलानाथ सिंह, तत्कालीन उपाधीक्षक—सह—प्रभारी अधीक्षक, मंडल कारा, बेगूसराय (सम्प्रति अधीक्षक, मंडल कारा, औरंगाबाद) से बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली—२००५ (समय—समय पर यथा संशोधित) के नियम—१९ के तहत प्राप्त स्पष्टीकरण का एतद्वारा निस्तारण किया जा रहा है।

२. मंडल कारा, बेगूसराय में संसीमित बंदी कक्कु कुमार उर्फ रवि कुमार उर्फ रवि रौशन कुमार, पे०—स्व० भूषण सिंह से संबंधित क्रिमिनल वाद संख्या—२३९४८/१४ में दिनांक ०९.०९.२०१४ को माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा पारित न्यायादेश के आलोक में अपर सचिव—सह—निदेशक (प्र०), कारा एवं सुधार सेवाएँ निरीक्षणालय, बिहार, पटना, सहायक कारा महानिरीक्षक, बिहार, पटना एवं मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, आदर्श केन्द्रीय कारा, बेरूर, पटना के द्वारा मामले की संयुक्त जांच की गई।

३. जाँचोपरान्त संयुक्त जाँच दल द्वारा समर्पित अपने जाँच प्रतिवेदन में निम्नांकित मुख्य बिन्दुएँ प्रतिवेदित की गई :-

- (i) बंदी कक्कु कुमार उर्फ रवि कुमार उर्फ रवि रौशन कुमार, पे०—स्व० भूषण सिंह, ग्राम—भैरवार, थाना—मुफसिल, जिला—बेगूसराय, थाना काण्ड संख्या—११२/१४, STR No-391/14. U/S-302, 34 IPC के अन्तर्गत दिनांक ०९.०२.२०१४ को मंडल कारा, बेगूसराय में प्रवेश पाया।
- (ii) कारा में आने के पूर्व से बंदी को पेट में दर्द और Jaundice की शिकायत थी। बंदी के चिकित्सा से संबंधित अभिलेखों के अनुसार बंदी की चिकित्सा कारा अस्पताल में दिनांक २४.०७.२०१४ से ०६.०८.२०१४ तक भर्ती कर किया गया। कारा चिकित्सक द्वारा दिनांक २१.०८.२०१४ को सदर अस्पताल, बेगूसराय में विशेषज्ञ चिकित्सक से उक्त बंदी को दिखाया गया एवं उनके द्वारा परामर्शित दवा बंदी को उपलब्ध करायी गई। चिकित्सक के अनुसार बंदी को पिलीया रोग (Jaundice/Hepatitis “B”) से पीड़ित बताया गया।
- (iii) माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेगूसराय द्वारा अधीक्षक, मंडल कारा, बेगूसराय से बंदी की चिकित्सा से संबंधित कारा चिकित्सक के चिकित्सीय प्रतिवेदन की मांग की गई।
- (iv) तद्आलोक में तत्कालीन कारा चिकित्सक, डॉ० अशोक कुमार गौतम द्वारा बंदी का चिकित्सीय प्रतिवेदन अधीक्षक, मंडल कारा, बेगूसराय को समर्पित किया गया। उक्त चिकित्सीय प्रतिवेदन की कड़िका—०४ में अंकित किया गया कि :-

“ The patient needs specially cooked diet for jaundice of this type of patient and purified water for drink every time, which is not possible in jail.”

एवं कड़िका—०५ में अंकित किया गया है कि—

“ It is also not possible for jail to give him a long time treatment keeping him at Sadar Hospital.”

- (v) कारा चिकित्सक द्वारा समर्पित उक्त चिकित्सीय प्रतिवेदन पर अधीक्षक स्तर से ही नियमानुसार उचित कार्रवाई की जानी थी और बंदी की समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने का आदेश दिया जाना चाहिए था जो प्रभारी अधीक्षक, श्री भोलानाथ सिंह के द्वारा नहीं किया गया एवं अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कारा चिकित्सक के उक्त प्रतिवेदन को जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेगूसराय को दिनांक 22.08.2014 को भेज दिया गया।
- (vi) संयुक्त जाँच दल द्वारा उक्त के आलोक में कारा चिकित्सक एवं काराधीक्षक से स्पष्टीकरण प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

4. उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट है कि मंडल कारा, बेगूसराय के तत्कालीन प्रभारी अधीक्षक, श्री भोलानाथ सिंह के द्वारा कारा चिकित्सक के चिकित्सीय प्रतिवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं कर उसे माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेगूसराय को यथावत् अग्रसारित कर दिया गया। जबकि कारा में संसीमित बंदी को समुचित चिकित्सीय सुविधा एवं अन्य भौतिक सुविधा उपलब्ध कराना कारा प्रशासन की जवाबदेही होती है।

5. तद्आलोक में श्री भोलानाथ सिंह से स्पष्टीकरण की मांग की गई। श्री सिंह का स्पष्टीकरण उनके पत्रांक 1991 दिनांक 10.11.2014 से प्राप्त हुआ। समीक्षोपरान्त उनके स्पष्टीकरण को अस्वीकार करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 (समय-समय पर यथा संशोधित) के नियम 19 के तहत विभागीय पत्रांक 4824 दिनांक 17.04.2015 के द्वारा श्री सिंह को पुनः स्पष्टीकरण समर्पित करने का निदेश दिया गया। तद्आलोक में श्री सिंह ने अपना स्पष्टीकरण कारा पत्रांक 2879 दिनांक 25.10.2015 के द्वारा समर्पित किया गया। श्री सिंह द्वारा अपने स्पष्टीकरण में उल्लेख किया गया है कि माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेगूसराय के आदेश दिनांक 22.08.2014 के द्वारा उक्त विचाराधीन बंदी का स्वास्थ्य प्रतिवेदन कारा चिकित्सक से प्राप्त कर उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया था। कारा चिकित्सक के द्वारा समर्पित बंदी के स्वास्थ्य प्रतिवेदन को उनके द्वारा कारा हस्तक नियम-841 (xii) के आलोक में मात्र अग्रसारित किया गया था। कारा में संसीमित बंदियों की चिकित्सीय देखभाल हेतु कारा हस्तक नियम-27, 210 एवं 840 में कारा चिकित्सक ही मूल रूप से उत्तरदायी है तथा इसके लिए चिकित्सक जिम्मेवार है।

6. श्री सिंह के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप के आलोक में उनसे प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा की गई। समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री सिंह को कारा के प्रभारी अधीक्षक के रूप में चिकित्सक द्वारा भोजन एवं स्वच्छ जल के बिन्दु पर समर्पित प्रतिवेदन पर संज्ञान लेते हुए समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए थी। तदुपरान्त कृत कार्रवाई का उल्लेख करते हुए न्यायालय में प्रतिवेदन अग्रसारित करना चाहिए था जो उनके द्वारा नहीं किया गया। उनका यह कृत्य वांछित और नियमानुकूल नहीं है और उनके प्रभारी अधीक्षक के रूप में पदीय दायित्व के निर्वहन में विफलता को परिलक्षित करता है।

7. उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में अनुशासनिक प्राधिकार के निर्णयानुसार श्री भोलानाथ सिंह, तत्कालीन उपाधीक्षक-सह-प्रभारी अधीक्षक, मंडल कारा, बेगूसराय (सम्प्रति अधीक्षक, मंडल कारा, औरंगाबाद) के स्पष्टीकरण को अस्वीकार करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (समय-समय पर यथा संशोधित) के नियम-14 के प्रावधान के तहत उन्हें निम्नांकित दण्ड अधिरोपित किया जाता है:-

(i) निन्दन।

(ii) असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि अवरुद्ध करने का दण्ड।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित की जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राजीव वर्मा, संयुक्त सचिव-सह-निदेशक (प्र०)।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 22—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>